पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का अष्टम दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भाषा समाज के निर्माण, विकास एवं सामाजिक सांस्कृतिक पहचान का एक प्रमुख साधन

जीवन लक्ष्यों में समाज कल्याण तथा परोपकार के मूल्यों का भी स्थान होना चाहिए तभी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध होगी

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

भाषा, सभी विषयों के शांतिपूर्ण समाधान का माध्यम

जीवन के अंतिम क्षण तक विद्यार्थी को ज्ञानार्थी बने रहना चाहिए

–राज्यपाल केरल, आरिफ मोहम्मद खान

लखनऊ : 13 जनवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ का अष्टम दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपाल जी ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में कुल 1184 उपाधियों का वितरण किया गया। शोध हेतु 32 शोधार्थियों ने उपाधि प्राप्त की। समारोह में कुल 138 पदक वितरित किए गए, जिसमें 57 स्वर्ण, 40 रजत व 41 कांस्य पदक शामिल थे। आज 74 छात्रों व 64 छात्राओं ने पदक हासिल किए। इसके साथ ही समारोह में पद्म भूषण प्रोफेसर कपिल कपूर जी को डी0 लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल जी द्वारा बटन दबाकर सभी 1184 उपाधियां को डिजिलॉकर में अपलोड किया गया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उपाधि/पदक प्राप्तकर्ताओं को जीवन मे माता–पिता व गुरु जनों का महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए कहा कि जब डिग्री लेकर घर जाएं तो माता–पिता का पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें। गुरुजनों को उन्होंने कुम्हार की संज्ञा देते हुए कहा कि जिस प्रकार कुम्हार किसी सुंदर मटके को तैयार करने में आकार देता है उसी प्रकार गुरुजन भी अपने विद्यार्थियों को सुंदर आकार देने का कार्य करते हैं।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की एन0सी0सी0 कैडेट, वैष्णवी मिश्रा को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकलने वाली गणतंत्र दिवस परेड में सांस्कृतिक प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम से अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र–छात्राओं को एन0सी0सी0 जैसे संगठनों में शामिल होना चाहिए जिससे उनके अंदर राष्ट्र भाव पैदा हो।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी राष्ट्र को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस क्रम में उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव भी साझा किये। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थी इतने भाग्यशाली हैं कि उन्हें विभिन्न आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो रही है। इन सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। राज्यपाल जी ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा नैक एवं एन0आई0आर0एफ0 में उच्च ग्रेडिंग प्राप्त करने की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश स्तर पर 10 विश्वविद्यालयों ने नेक में 'ए प्लस प्लस', 'ए प्लस' तथा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है तथा एन0आई0आर0एफ0 में 06 राज्य विश्वविद्यालयों ने राष्ट्रीय स्तर पर उच्च रैंकिंग प्राप्त की है। राज्यपाल जी ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश के समय नैक व एन0आई0आर0एफ0 रैंकिंग के आधार पर प्राथमिकता तय की जाती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य शिक्षण, शोध और नवीन पद्धतियों के द्वारा ज्ञान के विस्तार के लिए मानव संसाधनों का विकास करना होना चाहिए।

विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने युवाओं को ज्ञान की एक महान ऐतिहासिक परंपरा का हिस्सा बताते हुए कहा कि आने वाले 25 साल देश के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाषा समाज को एक सजीव संबंध में जोड़ती है तथा यह समाज के निर्माण, विकास एवं सामाजिक सांस्कृतिक पहचान का एक प्रमुख साधन है। भाषा के मामले में देश को समृद्ध और अद्वितीय विशेषता धारण करने वाला देश बताते हुए उन्होंने कहा कि मातृभाषा के रूप में देश के हर राज्य के पास एक अनमोल खजाना है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा 'भारतीय प्रादेशिक लोकगीत संग्रह' नामक पुस्तक के प्रकाशन की सराहना करते हुए इसे भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जिन विभिन्न संस्थाओं एवं कंपनियों के साथ एम0ओ0यू0 स्थापित किया गया है, उनके साथ विभिन्न प्रकार की सामाजिक गतिविधियों में संलिप्तता भी होनी चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि 21वीं सदी में दुनिया लगातार ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है, जहां औद्योगिक व्यापारिक संबंधों के स्थान पर सूचना आदान प्रदान प्रदान की प्रणाली प्रतिस्थापित हो रही है। उन्होंने कहा कि जी–20 जैसी संस्थाओं को मजबूत बनाने, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका निभाने में भारत का स्वागत हर वैश्विक समाधान के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक युवा भारतीय होने का यह सबसे अच्छा समय है। इस समय का अधिकतम लाभ उठाएं और अपने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाए।

राज्यपाल जी ने उपस्थित छात्र–छात्राओं से आह्वान करते हुए कहा कि जीवन लक्ष्यों में समाज कल्याण तथा परोपकार के मूल्यों का भी स्थान होना चाहिए तभी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अंत नहीं हो सकता है वह जीवन पर्यंत चलती है। उन्होंने भारत को प्रचुर विचार संपदा तथा सत्य सूत्रों की उपलब्धता वाला देश बताया।

राज्यपाल जी ने मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा 14 जनवरी से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान से प्रेरणा लेकर विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ किए जाने हेतु निर्देश दिए व सप्ताह में इस हेतु सभी शिक्षकगण व विद्यार्थियों को 01 घंटे का समय देने की अपील की। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा छात्राओं के नियमित रूप से हीमोग्लोबिन की जांच कराए जाने को भी निर्देशित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सभी महिलाओं की विभिन्न बीमारियों की जांच किए जाने हेतु कहा। कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय के सिलेबस व पाठ्यक्रमों में ऐसी चीज शामिल होनी चाहिए, जिससे छात्राओं द्वारा घर की महिलाओं में इन बीमारियों से बचाव हेतु सजग रहकर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गर्भवती माताओं के संस्कार के कार्यक्रम भी होने चाहिए तथा गर्भावस्था के दौरान खानपान, व्यवहार आदि के संदर्भ में भी विश्वविद्यालय में कोर्स चलाये जाने चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल जी द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय के राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय के अतिरिक्त तीन तल, कंप्यूटर सेंटर, दिव्यांगजनों हेतु रैंप, ओपन थिएटर, सेल्फी प्वाइंट का लोकार्पण तथा शैक्षणिक भवन में लिफ्ट, सिविल एवं मैकेनिकल वर्कशॉप/लैब एवं सोलर पैनल का शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालय के सौजन्य से बेसिक विद्यालय अल्लू नगर डीगुरिया एवं राजकीय हाई स्कूल खंतारी के 30 विद्यार्थियों को पठन पाठन

सामग्री, स्कूल बैग व पोषण सामग्री उपहार स्वरूप वितरित किया गया तथा उक्त विद्यालय के बच्चों हेतु राजभवन की ओर से 200–200 पुस्तकें प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल जी द्वारा 10 आंगनबाड़ी केदो को सुविधा संपन्न बनाए जाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट का वितरण किया गया। ज्ञातव्य है कि राज्यपाल जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से प्रदेश भर में अब तक कुल 7919 आंगनबाड़ी किटों का वितरण किया जा चुका है।

समारोह में राज्यपाल जी द्वारा भारतीय प्रादेशिक लोकगीत संग्रह पुस्तक एवं शिक्षकों द्वारा लिखित विभिन्न पुस्तकों का विमोचन व विश्वविद्यालय के कुलगीत लेखक एवं कवि श्री गजेंद्र सोलंकी को भी सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए केरल के राज्यपाल, श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि इस संसार में जितने भी विषय और मामले हैं, उनका शांतिपूर्ण समाधान तथा निष्पादन का माध्यम केवल वाक् है, जो भाषा से आता है। उन्होंने कहा की ज्यादा से ज्यादा भाषा का ज्ञान होना चाहिए जिससे विविध संस्कृति और रीति–रिवाज को समझा जा सके।

उन्होंने भारत की सभ्यता और संस्कृति को ज्ञान की संस्कृति बताया तथा जीवन का उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति बताते हुए कहा कि जीवन के अंतिम क्षण तक विद्यार्थी को ज्ञानार्थी बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्ति के बाद ज्ञान को साझा करना चाहिए। भारतीय संस्कृति को उन्होंने अविरल और मृत्युंजय बताया तथा कहा कि भारत की संस्कृति अकेली ऐसी संस्कृति है जो आत्मा से परिभाषित होती है। उन्होनें शिक्षा का मतलब संवेदनशीलता बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री, श्री योगेंद्र उपाध्याय ने सभी विद्यार्थियों को जीवन में ऊंचाइयों को छूने हेतु तथा मुकाम हासिल करने के लिए बधाई दी तथा देश की सेवा करने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता, पिता और गुरु को देव स्थान प्राप्त है, इसमें राष्ट्र देवो भव को भी जोड़ना चाहिए।

इस अवसर पर समारोह में प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ0 सीमा गुप्ता, सहायक निदेशक
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY, LUCKNOW, U.P.
अष्टम् दीक्षान्त समारोह
8th Convocation

शनिवार 13 जनवरी, 2024

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY, LUCKNOW, U.P.
अष्टम् दीक्षान्त समारोह
8th Convocation

अष्टम् दीक्षान्त समारोह
शनिवार 13 जनवरी, 2024

Saturday 13 January, 2024